सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 189 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 14 अगस्त, 2023
मूल्य ₹ 3/-

भारत सौ से भी अधिक समस्याओं वाला देश हो सकता है, लेकिन ये बिलियन सोल्यूशंस वाला देश भी है।
-कैलाश सत्यार्थी

आयुष्मान घोटाला करके शिवराज... 2 | मीठी बहस के साथ यूपी विस सत्र... 3 | एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीत से भारत... 7

सुरजेवाला के राक्षस वाले बयान पर मच गया घमासान

भाजपा तिलमिलाई, कांग्रेस का पलटवार, बरगला रही बीजेपी

» पूनावाला ने कहा- 2024 में स्पष्ट हो जाएगा कि किसे मिला श्राप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 के चुनाव से पहले एकबार फिर नेताओं की जुबान फिसलने लगी है। अब सियासी वाप-पलटवार में राक्षस के नाम का प्रवेश हो गया है। कांग्रेस नेता व राज्य सभा सांसद रणदीप सुरजेवाला के राक्षस वाले बयान से भाजपा तिलमिला गई है। बीजेपी के राज्य से लेकर केंद्रीय स्तर के नेताओं ने सुरजेवाला व कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उधर कांग्रेस ने कहा कि सुरजेवाला के बयान को तोड़-मरोड़ कर बेवजह मामले को तूल दिया जा रहा है।

इस पर हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग करने के बारे में केवल राक्षस प्रवृत्ति के परिवार में जन्मा व्यक्ति ही सोच सकता है। मुझे लगता है ये असंसदीय भाषा है, हम इस पर जरूर संज्ञान लेंगे। दरअसल नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने रविवार को समान अवसर प्रदान नहीं करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष किया और भाजपा और उसके समर्थक को राक्षस कहा। रणदीप सुरजेवाला ने हरियाणा के कैथल में कांग्रेस की जन आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कहा कि नौकरी मत दो, कम से कम नौकरी में बैठने का मौका तो दो। बीजेपी और जेजेपी के लोग राक्षस हैं और जो लोग बीजेपी को वोट देते हैं और उनका समर्थन करते हैं वे भी राक्षस हैं। आज मैं महाभारत की इस भूमि से श्राप देता हूं। पूनावाला ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, और यही नहीं सुरजेवाला कहते हैं कि मैं इन लोगों को श्राप देता हूं। मतलब भारत माता की हत्या की कामना भी करते हैं और भारत की जनता को श्राप देने का भी काम करते हैं।

मेरे बयान को गलत तरीके से किया गया पेश : सुरजेवाला

कांग्रेस ने सारी हदें पार कीं : पूनावाला

रणदीप सुरजेवाला के राक्षस वाले बयान पर भाजपा ने हमला बोला है। सुरजेवाला के बयान के बाद भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस जनता को श्राप देकर मारने की बात कहती है लेकिन जनता ये बर्दाश्त नहीं करेगी। शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी सारी हदें पार कर दी हैं और अब भी अहंकार में जी रही है। इसके बाद, भारतीय जनता के राष्टीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक्स ट्विटर पर सबसे पुरानी पार्टी की आलोचना करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी, जो बार-बार राजकुमार को लॉन्च करने में विफल रही, अब जनता और जनार्दन को गाली देना शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी के विरोध में अंधता का शिकार हो चुके कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को सुनिए, जो कह रहे हैं-देश की जो जनता बीजेपी को वोट और सपोर्ट करती है, वो राक्षस। पूनावाला ने कहा कि अफजल गुरु को अफजल गुरु जी और उनकी पार्टी के सदस्य ओसामा को ओसामा जी कहने वाले रणदीप सुरजेवाला ने अब भारतीय मतदाताओं को गाली देना शुरू कर दिया है. कांग्रेस पार्टी विदेशी धरती पर कहती है कि लोकतंत्र मर गया है और भारत माता की हत्या हो गई है। अब वह बीजेपी को वोट देने वाले कम से कम 23 करोड़ लोगों को राक्षस बता रहे हैं। लोकतंत्र में नागरिक भगवान का रूप होते हैं, लेकिन कांग्रेस उन्हें राक्षस कह रही है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस किस अहंकार में जी रही है।

बीजेपी-जेजेपी छीन रहे हैं थाली की रोटी : किरण चौधरी

इस मौके पर कांग्रेस की विधायक किरण चौधरी ने कहा कि बीजेपी-जेजेपी सरकार ने महिलाओं, किसान, गरीब की थाली से रोटी छीनने का काम किया। किसानों को फसलों के दाम नहीं दिए, लागत पर डबल मुनाफा नहीं दिया, गृहणियां महंगाई की मार से परेशान है, किरण चौधरी ने कहा कि इस बार मीठी गोली नहीं चूसनी हैं, राज लेकर आना है. राज तब आएगा जब एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत करोगे।

जनता हमारे लिए जनार्दन : बिप्लब देव

रणदीप सुरजेवाला के विवादित बयान पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनखड़ और प्रदेश प्रभारी बिप्लब देव की प्रतिक्रिया सामने आई है, ओपी धनखड़ ने कहा, शायद भगवान ने रणदीप सुरजेवाला की मति (बुद्धि) हर ली है, जा को मैं दारूण दुख देऊ, ताकि मति पहले हर लेऊ. जनता जनार्दन ईश्वर का विराट रूप है। वहीं हरियाणा के बीजेपी प्रभारी बिप्लव देव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए जनता जनार्दन है।

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से मांगा समय

» आज देनी थी अडानी जांच की रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का शेयर बाजार रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया-सेबी ने अडानी समूह पर की गई अपनी जांच रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में जमा करने लिए 15 दिन का समय और मांगा है। ज्ञात हो कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह के ऊपर आरोप लगाए थे जिसके बाद कई घटनाक्रम हुए और सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को इस मामले में जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में अडानी-हिंडनबर्ग मामले की सुनवाई अगस्त महीने के लिए टाली गई थी जिसके बाद 14 अगस्त को मामले की सुनवाई का दिन तय किया गया था। 11 जुलाई को मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सेबी की जांच के स्टेटस के बारे में पूछा था जिसके जवाब में सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने बताया था कि सेबी के पास जांच पूरा करने के लिए अगस्त तक का समय है।

मथुरा में भी सर्वेक्षण की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

उत्तर प्रदेश के मथुरा में स्थित शाही ईदगाह मस्जिद का ज्ञानवापी परिसर की तरह ही वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है। याचिका श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता के अनुसार कथित शाही ईदगाह मस्जिद पर हिंदू समुदाय का अधिकार है, जिसका निर्माण हिंदू मंदिरों को तोड़कर किया गया था और ऐसा निर्माण मस्जिद नहीं हो सकता। याचिकाकर्ता ने आगे कहा है कि विवादित भूमि के संबंध में कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट और मस्जिद समिति द्वारा पेश किए गए दावे की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए गहन वैज्ञानिक सर्वेक्षण करना जरूरी है।

साबरमती एक्सप्रेस में आग लगाने वाले 3 दोषियों को नहीं मिलेगी जमानत

» सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई याचिका खारिज, बेंच का होगा गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2002 गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में आग लगाने के दोषियों की जमानत का मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने तीन दोषियों को जमानत देने से इनकार किया। तीनों दोषी उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ये घटना बेहद गंभीर घटना थी, यह किसी एक व्यक्ति की अकेली मौत का मामला नहीं है, वो दोषियों की अपील पर सुनवाई के लिए बेंच का गठन करेंगे।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि जिनकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया, उन्हें जमानत नहीं दी जाएगी, जिन्होंने जलती ट्रेन पर पेट्रोल डालने जैसी विशिष्ट भूमिका निभाई थी, उनको भी जमानत नहीं मिलेगी। इन तीनों के खिलाफ विशिष्ट आरोप हैं और ये मामला भी गंभीर है, ये कोई एक इंसान की मौत का मामला नहीं है, सुप्रीम कोर्ट ने पिछली बार 12 में से 8 को जमानत दे दी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एक आरोपी की पत्नी को कैंसर की वजह से उसकी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ा दी थी।

पूरे देश में बदनाम हो रहा है यूपी

» सपा अध्यक्ष ने कहा- महिलाओं-बच्चियों के साथ बढ़ी दुष्कर्म की घटनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस वजह से यूपी पूरे देश में बदनाम हो रहा है। योगी जी की पुलिस का व्यवहार भी आम जन के साथ अच्छा नहीं है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार महिलाओं-बच्चियों की जिंदगी के लिए अभिशाप बन गई है। महिलाओं-बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामले में देश भर में यूपी बदनाम हो रहा है। पुलिस का बर्ताव महिलाओं के साथ अभद्रता का रहता है, वहीं वह बलात्कारियों को बचाने का भी काम करती है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में दलित वंचित वर्ग की महिलाओं पर अत्याचार की सभी हदें पार हो गई हैं।

उन्नाव में दबंगों ने खेत पर गई दलित महिला से गैंगरेप किया। पुरवा में घर में घुसकर छेड़छाड़ और मारपीट का मुकदमा दर्ज हुआ है। प्रयागराज में नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में आरोपियों पर कार्रवाई करने की जगह उल्टा दुष्कर्म पीड़िता को बदनामी का भय दिखाकर खामोश रहने और मामला दबाने का प्रयास किया गया। प्रतापगढ़ में अपनी फरियाद लेकर थाने पहुंची महिलाओं से पुलिसकर्मियों ने अभद्रता की और भगा दिया। नारी सम्मान की बात करने वाली भाजपा सरकार का यही चाल, चरित्र और चेहरा सामने आ रहा है। बरेली में घर में बंधक बनाकर महिला से दुष्कर्म किया गया। बरेली में ही अपनी बुआ के घर आई युवती का अपहरण कर लिया गया। कुशीनगर में बच्ची से दुष्कर्म किया गया। शामली में 9वीं की छात्रा की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई। अपराध पर जीरो टॉलरेंस के करने वाले मुख्यमंत्री बताएं कि उनके खौफ से अपराधी प्रदेश छो?कर भाग गए तो रोज ही महिलाओं की इज्जत तार-तार करने वाले अपराधी कहां से आए हैं? सच तो यह है कि भाजपा राज में सत्ता संरक्षण में ही अपराधी फल-फूल रहे हैं। उन पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।

घोसी उपचुनाव में सुधाकर सिंह होंगे सपा के प्रत्याशी

सपा ने घोसी (मऊ) विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव में पूर्व विधायक सुधाकर सिंह को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। यह सीट सपा के टिकट पर जीते पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान के इस्तीफे से खाली हुई है। यहां से अब भाजपा प्रत्याशी के रूप में दारा सिंह चौहान का लड़ना तय माना जा रहा है। घोसी में मतदान 5 सितंबर और मतगणना 8 सितंबर को होगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को घोसी सीट से प्रत्याशी घोषित करने से पहले प्रदेश कार्यालय पर वहां के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उसके कुछ ही देर बाद समाजवादी पार्टी के आधिकारिक एक्स एकाउंट के जरिये सुधाकर सिंह को प्रत्याशी बनाए जाने की जानकारी दी गई। सुधाकर सिंह दो बार पहले भी विधायक रह चुके हैं। वहीं सपा ने उत्तराखंड के बागेश्वर विधानसभा उप चुनाव में भगवती प्रसाद त्रिकोटी को समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया है।

अब्दुल्ला बने सपा सचिव

सपा की भारी-भरकम 182 सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। पूर्व मंत्री अताउर्रहमान समेत 3 महासचिव और अब्दुल्ला आजम समेत 61 सचिव बनाए गए हैं। पार्टी का सितंबर, 2022 में राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ था और कार्यकर्ता तभी से प्रदेश कार्यकारिणी घोषित होने का इंतजार कर रहे थे। एमएलसी नरेश उत्तम पटेल को प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया था। अब प्रदेश कार्यकारिणी में राजकुमार मिश्रा को कोषाध्यक्ष, मो. इरफानुल हक, सीएल वर्मा, श्याम लाल पाल और राजेंद्र एस बिंद को उपाध्यक्ष नामित किया गया है। पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय, विधायक व पूर्व मंत्री अताउर्रहमान और अनीसुर्रहमान को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। राज्य कार्यकारिणी में 48 सदस्य और 62 विशेष आमंत्रित सदस्य भी नामित किए गए हैं। सपा की प्रदेश कार्यकारिणी में पीडीए का दबदबा दिखा। 24 मुसलमान, 17 दलित और 11 यादवों को जगह मिली है। इस गणना में 63 विशेष आमंत्रित सदस्यों को शामिल नहीं किया गया है। इस तरह से अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव और सदस्यों की संख्या 119 है। इनमें 8 ब्राह्मण, 45 गैर यादव ओबीसी और 14 वैश्य, कायस्थ, जैन, सिख और ईसाई समुदाय से हैं। इसके अलावा कई विधायकों और पूर्व विधायकों को भी कार्यकारिणी में जगह दी गई है।

दिल्ली की समस्याओं पर चर्चा के लिए दो दिनी सत्र अपर्याप्त : विधूड़ी

» भाजपा ने विस अध्यक्ष से की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 16 अगस्त से बुलाए गए दो दिन के विधानसभा सत्र को बढ़ाकर 10 दिन का करने की मांग की है। इस बाबत उन्होंने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष को पत्र भी लिखा है। विधानसभा का सत्र बढ़ाने के लिए तर्क दिया है कि राजधानी की समस्याओं पर चर्चा के लिए दो दिन अपर्याप्त हैं। भाजपा विधायकों ने ही दिल्ली की 12 ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा का नोटिस दिया है।

इसलिए अधिवेशन की अवधि बढ़ाई जाए। विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल को लिखे पत्र में बिधूड़ी ने 12 मुद्दों पर चर्चा कराने के लिए नोटिस दिया है। इनमें महिलाओं की सुरक्षा और अप्रिय घटनाओं को रोकने के नाम पर लगाए गए पैनिक बटन में करोड़ों का घपला, आधी रात को सतर्कता विभाग से भ्रष्टाचार के मामलों की फाइलों की हेराफेरी, मुख्यमंत्री के आवास के सौंदर्यीकरण पर करोड़ों का खर्च और बाढ़ से निपटने में दिल्ली सरकार की नाकामी प्रमुख हैं।

मुख्यमंत्री नहीं संघ के प्रचारक बने रहे खट्टर : कुलदीप शर्मा

» मनोहरलाल माफी मांगो रैली का आयोजन करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार (हरियाणा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा स्पीकर कुलदीप शर्मा ने हरियाणा की मनोहर खट्टर की सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है हरियाणा में राजनीतिक परिस्थितियां दिन प्रतिदिन बदलती जा रही हैं। 9 साल तक प्रदेश में दो योजना में मुख्यमंत्री रहे मनोहरलाल ने प्रदेश में मुख्यमंत्री की भूमिका न निभाकर आरएसएस के प्रचारक बने रहे। वह प्रदेश के लिए कोई भविष्यात्मक सोच के साथ आगे नहीं बढ़े।

उनके खिलाफ प्रदेश में सामूहिक रूप से मनोहरलाल से माफी मांगो रैली का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री से

क्षमा मांगेंगे कि हमें माफ कर दो, हरियाणा को माफ कर दो। यह बाते हिसार के रेस्ट हाउस में पत्रकारवार्ता के दौरान कही। वह 20 अगस्त को होने वाली विपक्ष आप के समक्ष रैली के लिए कार्यकर्ताओं को निमंत्रण देने के लिए आए थे। उन्होंने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार ने केंद्र, हरियाणा और हिसार में कोई विकास कार्य नहीं किए।

राज्यों में होने वाले विस चुनाव की करें तैयारी

» लोस चुनाव के लिए बसपा संगठन को करेगी मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यूपी की तैयारियों को पुख्ता करने के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती फिर से लखनऊ में डेरा डालेंगी। अन्य राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव की तैयारियों को उन्होंने दिल्ली में रहकर अंतिम रूप दे दिया है। अब वह 15 अगस्त से लखनऊ में उप्र संगठन की समीक्षाएं करेंगी। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को पूरी रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

भतीजे आकाश आनंद की शादी के बाद मायावती निकाय चुनाव के मद्देनजर लखनऊ आई थीं। तीन माह लखनऊ में बिताने के बाद मायावती पांच जुलाई को वापस दिल्ली लौट गईं थीं। मिजोरम के अलावा छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान और

तेलंगाना राज्य के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उन्हें पार्टी की तैयारियां करनीं थीं। इसके लिए दिल्ली में ही बैठकें तय की गई थीं। विधानसभा के साथ साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर भी मंथन करना था पर फोकस विधानसभा चुनाव पर ही था। लखनऊ में रहकर तीन माह में मायावती ने बूथ और सेक्टर कमेटियों के गठन करने का लक्ष्य दिया था। निकाय चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन पर मायावती ने कहा था कि बूथ स्तर से ऊपर तक संगठन को नए सिरे से खड़ा किया जाए। उधर दिल्ली में मायावती ने राज्यों में होने वाले चुनावों को लेकर सभी राज्यों के पदाधिकारियों के साथ बैठकें कीं। इसके लिए कार्यक्रम भी तय किए। राजस्थान में पार्टी के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश आनंद 16 अगस्त से पदयात्रा शुरू कर रहे हैं। लगभग एक माह दस दिन दिल्ली में बिताने के बाद अब मायावती फिर से लखनऊ पहुंच रही हैं।

जिलों से मांगी गई रिपोर्ट

मायावती का पूरा फोकस अब लोकसभा चुनाव पर है। चूंकि बसपा इस समय सियासी रण में अलग थलग है। न तो बसपा एनडीए में शामिल है और न ही इंडिया में। बसपा ने दोनों गठबंधनों से अलग रहकर चुनाव लड़ने का एलान किया है। ऐसे में बसपा को अपनी तैयारियों को भी उसी मजबूती से धार देनी होगी। यही कारण है कि मायावती अब लखनऊ में बैठकों का दौर शुरू कर रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल भी बैठकों की तैयारियों में लग गए हैं और उन्होंने सभी जिलों से रिपोर्ट मंगानी शुरू कर दी है।

आयुष्मान घोटाला करके शिवराज ने किया शर्मिंदा

» कमलनाथ बोले- 403 मृत लोगों का कर दिया इलाज, अब क्या कैग पर करेंगे केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में 50 प्रतिशत कमीशन के पत्र को वायरल करने को लेकर मचे बवाल के बीच पूर्व सीएम कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर कैग की रिपोर्ट के हवाले से बड़ा हमला बोला। कमलनाथ ने इस रिपोर्ट के हवाले से आरोप लगाया कि शिवराज सरकार ने आयुष्मान घोटाला कर मध्य प्रदेश को शर्मिंदा किया है। 403 मृत लोगों का योजना में इलाज करा दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि अब क्या कैग पर शिवराज सरकार एफआईआर कराएगी।

पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने रविवार को बयान जारी कर दावा किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत शिवराज सरकार ने कितना बड़ा घोटाला किया है, वह कैग ने सबके सामने रख दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश में 403 ऐसे लोगों का उपचार आयुष्मान योजना के तहत किया गया, जिन्हें पहले ही मृत घोषित किया जा चुका था। कमलनाथ ने कहा कि अब तक जीवित लोगों के साथ भ्रष्टाचार करने वाली शिवराज सरकार ने मृतकों के साथ भी घोटाला कर दिया। कमलनाथ ने कहा कि इस रिपोर्ट का क्या अर्थ है? इसका अर्थ है कि मध्य प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना में जबरदस्त घोटाला चल रहा है। बिना आधार प्रमाणीकरण के करोड़ों रुपये का भुगतान किया जा रहा है, फर्जी मरीज दिखा कर अस्पताल और शिवराज सरकार अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। कमलनाथ ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के लिए शिवराज सरकार पहले तो गलत तरीके से पेमेंट कर देती है और फिर जानबूझकर उसकी रिकवरी नहीं करती। यह सब उस राज्य में किया जा रहा है जहां पर सरकार का खर्च चलाने के लिए हर रोज कर्ज लिया जा रहा है। कमलनाथ ने कहा कि कैग रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार लाखों करोड़ों रुपये का कर्जा जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी के लिए ले रही है।

प्रदेश में झूठ बोलने वाले गली-गली घूम रहे हैं : वीडी शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने ने कहा कि कांग्रेस के झूठ बोलने की पराकाष्ठा ही पार हो गई। कांग्रेस ने एक झूठा पत्र वायरल कर प्रदेश सरकार को बदनाम करने का काम किया है। हद तो देखिए बिना पत्र की सत्यता का पता लगाए बिना प्रियंका गांधी, जयराम रमेश, कमलनाथ आदि ने ट्वीट कर दिया। हमने इसका जवाब दिया और कल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। हमें आंख में आंख मिलाकर जवाब देना होगा। प्रियंका जी यह मध्यप्रदेश है, जहां भाजपा के कार्यकर्ताओं और विचार का गढ़ है। यहां झूठ की हांडी नहीं चलेगी। शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश में कांग्रेस ने दशकों तक राज किया और सिर्फ भ्रष्टाचार, घोटाला, गरीबी, भुखमरी, बीमारी, बेरोजगारी व झूठ परोसने का काम किया है। 2003 के पहले प्रदेश में मिस्टर बंटाढार के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार थी। प्रदेश में स?क, बिजली और पानी जैसी सुविधाओं का अभाव था और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। उस सरकार ने प्रदेश को लूट-लूटकर बीमारू राज्य बना दिया था। लेकिन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार ने प्रदेश को विकसित राज्यों की कतार में पहुंचाया।

मीठी बहस के साथ यूपी विस सत्र की विदाई

योगी व अखिलेश के बीच खूब हुई नोकझोंक

» मानसून सत्र में पेश हुए कई विधेयक

» सत्ता-विपक्ष में हर मुद्दे पर हुई खुली चर्चा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा का मानसून सत्र नोकझोंक व मीठी बहस के बाद समाप्त हो गया। अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, व प्रतिपक्ष के नेता अखिलेश यादव में हास-परिहास के बीच गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई। जहां सपा मुखिया ने किसान, साड़, सिंचाई, स्वास्थ्य समेत कई मुद्दो पर योगी को घेरने की कोशिश की, वहीं सीएम ने भी अपने अंदाज में सपा प्रमुख की बातों का जवाब दिया। विधान भवन में कुछ दिलचस्प भी देखने को मिला जहां एक नवदमपति को सत्ता व विपक्ष के सदस्यों ने बधाई दी वहीं दावत का भी आनंद लिया। सदन में सपा ने अपने अंदाज में विरोध भी किया सपा आशुतोष ने महंगे टमाटर पर सरकार को घेरने के लिए पूरी माला बनाई तो प्लास्टिक के टमाटरों की बनीं थी वह उसको पहन कर साइकिल से सदन तक पहुंचे।

ज्ञात हो कि ग्रिष्मकालीन सत्र बहुत ही तल्ख माहौल में चला था। वहीं विधानमंडल का मानसून सत्र कई मायने में उल्लेखनीय रहा। यह सत्र हंगामे से ज्यादा रचनात्मक उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। विपक्ष ने जहां अपनी पूरी ताकत से सरकार की खामियां गिनाईं, वहीं सत्ता पक्ष ने भी अपने काम गिना उन्हें कड़े जवाब दिए। इस सत्र में काई अहम बिल भी प्रस्तुत किए गए जो सदस्यों ने पारित किया। वर्षों से लंबित उच्च शिक्षा आयोग के गठन का रास्ता साफ हुआ। यह युवाओं और शिक्षा के हित में बड़ा फैसला है। इससे माध्यमिक व उच्च शिक्षा सहित विभिन्न विभागों की भर्तियां शुरू होने का

रास्ता साफ हुआ। वहीं 13 विधेयकों के कानून बनने से यूपी के विकास का रफ्तार पकड़ना तय माना जा रहा है। सूखा और बाढ़ पर लंबी चर्चा और सरकार के जवाब से जनता की समस्याएं और उनके लिए किए जा रहे प्रयास खुलकर सामने आए। पांच दिन चले मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को विपक्ष ने मणिपुर के मुद्दे पर दोनों सदनों में जबरदस्त हंगामा किया, पर दोनों सदनों में पूर्व निर्धारित सभी विधायी कार्य निपटाकर उदाहरण प्रस्तुत किया गया। विधानसभा में लाए गए उत्तर प्रदेश जगतगुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय विधेयक के कुछ प्रावधानों पर जब सपा के एक सदस्य ने अपनी आपत्ति रखी तो उन्हीं के दल के अन्य सदस्यों का उन्हें समर्थन नहीं मिला। पक्ष-विपक्ष दोनों का इस राज्य विवि की स्थापना को सकारात्मक कदम माना गया। इससे मानसून सत्र यह संदेश भी देने में कामयाब रहा कि स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार की खामियां गिनाना विपक्ष का अधिकार है, पर जनहित के कामों में सहयोग देना फर्ज भी है। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक और सत्ता के पाले में आए सुभासपा नेता ओमप्रकाश राजभर को लेकर टीका-टिप्पणी की तो सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी उन्हें अपने चाचा शिवपाल यादव से सीख लेने की बात कहकर यह नसीहत दी कि सपा के पारिवारिक अंतरविरोध अभी बिसराए नहीं गए हैं। पलट जवाब में सीएम ने नेता प्रतिपक्ष पर बसपा सुप्रीमो मायावती को धोखा देने का आरोप लगा मतदाताओं के एक खास वर्ग को संदेश देने का काम भी किया। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने भी सांड सफारी का सुझाव देकर चर्चा को रोचक बनाया और हादसों में मरे कांवड़िये व ताजिएदारों को मुआवजा की मांग कर अपना एजेंडा सेट करने की कोशिश की।

कानून व्यवस्था व स्वास्थ्य के मुद्दे खूब उठे

विपक्ष ने जब कानून-व्यवस्था और मणिपुर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की तो सत्ता पक्ष ने भी गेंद अपने पाले में करने का प्रयास करते हुए बाढ़ और सूखे के मुद्दे पर चर्चा करने का भरपूर मौका दिया। विपक्ष ने बिजली, गन्ना, मक्का व आलू उत्पादक किसानों की समस्याओं को बखूबी सामने रखा। वहीं, सत्ता पक्ष ने बाढ़ और सूखा प्रभावित लोगों के लिए किए गए कामों का विस्तार से उल्लेख किया। यह भी बताया कि सर्प दंश और सांड से इंसानों के जीवन को नुकसान को आपदा इसी सरकार में माना गया। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं।

खूब बोले माननीय, नए अंदाज में भी दिखे

यूपी में 65 साल बाद विधानसभा की नई नियमावली की उपलब्धि भी इसी मानसून सत्र के नाम रही। इसमें विधायकों को वर्चुअल भाग लेने की अनुमति सहित कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। करीब 26 विधायक ऐसे रहे, जो पहली बार इसी सत्र में सदन में बोले। चार बार की विधायक विजमा यादव तक पहली बार सदन में बोलीं। इसे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा नए लोगों को बोलने के लिए प्रेरित करने का नतीजा ही कहा जाएगा।

विधान परिषद में भी लंबी चर्चा

विधान परिषद में भी मानसून सत्र में कई सकारात्मक मुद्दों पर लंबी चर्चा हुई। इनमें विकास प्राधिकरणों की महायोजना और एससी-एसटी छात्रों की समस्याएं भी शामिल हैं। विधान परिषद में सकारात्मक चर्चा का ही नतीजा है कि सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड का गठन अधिकतम छह माह में करने के सरकार को निर्देश दिए। शिक्षकों की भी अनेक समस्याओं को विधान परिषद में आवाज मिली। इसे सदन के सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना ही कहा जाएगा कि शिक्षा मित्रों के मुद्दे पर जब सपा सदस्यों ने प्रश्न प्रहर में बहिर्गमन किया, पर अगले मुद्दे पर चर्चा के लिए बमुश्किल एक मिनट बाद ही सदन में पुनः आ गए।

केरल में गरमाई सियासत, विजयन पर आफत

» सीएम की बेटी के वित्तीय लेनदेन पर कोहराम

» कांग्रेस बोली-जानकारी पति के चुनावी हलफनामे में क्यों नहीं

» भाजपा ने भी साधा निशाना, क्यों नहीं उठाया विस में मामला

» खनिज कंपनी में लगाया पैसा पर नहीं किया स्वीकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुअंनतपुरम्। भारत के प्रमुख दक्षिणी राज्य केरल में भी आज कल सियासत करवटें ले रही है। एक तरफ कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव को नजर में रखकर सारे विपक्षी दलों इंडिया के तले एकजुट करने में जुटी है तो राज्यों में उसकी इकाईयां अपने ही सहयोगियों को घेरने में जुटी है। ताजा मामला केरल का है जहां स्थानीय कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी टी. वीना के कुछ वित्तीय लेनदेन संबंधी विवाद में उनके पति एवं लोक निर्माण मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास की भूमिका को लेकर हल्ला बोल दिया है।

कांग्रेस ने वीना के पति रियास को घसीटते हुए सीएम से पूछा कि यदि लेनदेन पारदर्शी और वैध था, तो उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में इसका विवरण क्यों नहीं दिया। विपक्षी दल ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से यह स्पष्ट करने का भी आग्रह किया कि क्या वीना ने कोच्चि स्थित खनिज कंपनी से पैसा स्वीकार नहीं किया था या रियास की ओर से दायर हलफनामा गलत था। इस मुद्दे पर नरम रुख अपनाने और तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इस विवादास्पद मामले को विधानसभा में नहीं उठाने का विकल्प चुनने के एक दिन बाद कांग्रेस कई सवालों के साथ सामने आई। सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कांग्रेस विधायक मैथ्यू कुझलनदान ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में रियास द्वारा प्रस्तुत हलफनामे की एक प्रति सहित कुछ दस्तावेज पेश किए। कांग्रेस विधायक ने माकपा राज्य सचिवालय की ओर से जारी बयान का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया कि वीना की आईटी फर्म और खनिज कंपनी के बीच लेनदेन पारदर्शी थे। उन्होंने कहा, ''तो, मेरा सवाल टी वीना से नहीं है। मैं उन्हें इसमें नहीं घसीटना चाहता, क्योंकि माकपा सचिवालय ने इस मामले को अपने हाथ में ले लिया है और अपना पूरा समर्थन दे दिया है, इसलिए मेरा सवाल उनसे है। यदि दोनों के बीच वित्तीय लेनदेन पारदर्शी था, तो उस राशि का खुलासा हलफनामे (रियास के) में क्यों नहीं किया गया? कृपया समझाएं।'' विधायक कुझलनदान ने कहा कि न तो माकपा और न ही मुख्यमंत्री को यह सोचना चाहिए कि यदि उन्हें सदन में बोलने के लिए माइक्रोफोन नहीं दिया गया या उन्हें डराने की कोशिश की गई तो वह चुप रहेंगे। उन्होंने माकपा के वरिष्ठ नेता एवं इसकी केंद्रीय समिति के सदस्य ए. के. बालन पर भी निशाना साधा, जिन्होंने कहा था कि विपक्ष ने विधानसभा में इस मुद्दे को नहीं उठाया, क्योंकि वे मुख्यमंत्री के जवाब से डरे हुए थे।

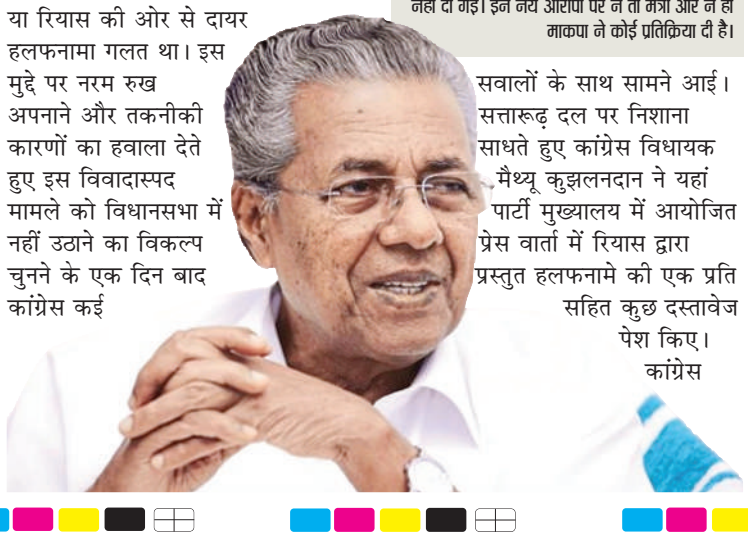

मार्क्सवादी पार्टी अब एक व्यक्ति से डर गई : मैथ्यू

कांग्रेस विधायक मैथ्यू कुझलनदान ने कहा कि अतीत में, मार्क्सवादी पार्टी केवल लोगों से डरती थी, लेकिन अब पूरी पार्टी एक व्यक्ति से डरती है और वह कोई और नहीं, बल्कि पिनराई विजयन हैं।'' विधायक ने कहा कि बालन मुख्यमंत्री से डरे हुए हैं और विपक्ष के खिलाफ उनका बयान उनकी भयभीत मानसिकता को दर्शाता है। कांग्रेस के अलावा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी माकपा से यह बताने का आग्रह किया कि रियास द्वारा प्रस्तुत हलफनामे में विवादास्पद राशि की जानकारी क्यों नहीं दी गई। इन नये आरोपों पर न तो मंत्री और न ही माकपा ने कोई प्रतिक्रिया दी है।

मामला सार्वजनिक होते ही लेना चाहिए था संज्ञान : बीजेपी

भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने विजयन से अपनी चुप्पी तोड़ने और उनके तथा उनके परिवार के खिलाफ लगे आरोपों का जवाब देने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि मामला सार्वजनिक होने के कुछ दिन बाद भी सतर्कता विभाग और लोकायुक्त ने इसमें हस्तक्षेप क्यों नहीं किया। वीना का बचाव करते हुए बालन ने कहा कि एक निजी खनिज कंपनी के साथ उनके वित्तीय लेनदेन पर धनशोधन का आरोप टिक नहीं पायेगा, क्योंकि सभी लेनदेन बैंकों के माध्यम से हुए थे। उन्होंने कहा कि वीना को अपनी आईटी फर्म और कोच्चि स्थित 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) के बीच हस्ताक्षरित अनुबंध से इतर कुछ भी नहीं किया था। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि पार्टी के नेतृत्व वाले विपक्षी मोर्चे ने इस मामले को विधानसभा में क्यों नहीं उठाया। केरल में एक निजी खनिज कंपनी और वीना तथा उनकी आईटी कंपनी के बीच कुछ वित्तीय लेनदेन को लेकर विवाद छिड़ गया है। ऐसे सबूत भी सामने आए हैं, जिनसे पता चलता है कि कंपनी का सत्तारूढ़ माकपा के साथ-साथ विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के शीर्ष नेताओं के साथ लेन-देन था। यह मुद्दा तब सामने आया जब हाल में एक मलयालम दैनिक समाचार पत्र की खबर में कहा गया था कि 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) ने 2017 और 2020 के बीच तीन साल की अवधि के दौरान मुख्यमंत्री की बेटी को कुल 1.72 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नये कानूनों से न्याय मिले सजा नहीं

नया बिल महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, हत्या और राज्य के खिलाफ अपराध के कानूनों को प्राथमिकता देता है.पहली बार छोटे-मोटे अपराधों के लिए दी जाने वाली सज़ाओं में सामुदायिक सेवा को भी शामिल किया गया है। कानून के जानकारों का मानना है कि कुछ कानून आने वाले समय में आम जन को लाभ पहुंचायेंगे।

लोकसभा में तीन नए कानून का बिल पेश किया। सरकार का दावा है इन अंग्रेजी कानूनों को खत्म करने से देश में अदालतों के काम पर भी बोझ कम होगा। हालांकि विपक्ष ने सरकार पर हमला बोला कि जो कानून बनाए गए है वह पहले से मौजूद हैं। खैर बहस जारी रहेगी। मॉब लिंचिंग के मामलों में मौत की सज़ा का प्रावधान भी लागू करेगी। नया बिल महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, हत्या और राज्य के खिलाफ अपराध के कानूनों को प्राथमिकता देता है.पहली बार छोटे-मोटे अपराधों के लिए दी जाने वाली सज़ाओं में सामुदायिक सेवा को भी शामिल किया गया है। कानून के जानकारों का मानना है कि कुछ कानून आने वाले समय में आम जन को लाभ पहुंचायेंगे। एक कानून के मुताबिक अपराध कर विदेशों में छिपे अपराधियों पर भी अब भारत में मुकदमा चलेगा और उन्हें सजा भी सुनाई जाएगी।

विशेष सरकारी वकील उज्जवल निकम ने इस कानून का स्वागत किया है। निकम ने कहा कि इससे दाऊद इब्राहिम समेत विदेशों में छिपे बैठे सभी भगोड़ों का स्टेटस बदल जाएगा और उन्हे भारत लाने मे मदद मिलेगी। संशोधित कानूनों में अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों, अलगाववादी गतिविधियों या भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों पर एक नया अपराध जोड़ा गया है। अब देशद्रोह कानून निरस्त कर दिया गया है, प्रस्तावित कानून में देशद्रोह शब्द नहीं है, जिसे भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों के लिए धारा 150 द्वारा बदल दिया गया है, प्रस्ताव के मुताबिक, कोई भी, इरादतन या जान-बूझकर, बोले या लिखे गए शब्दों से, या संकेतों से, या कुछ दिखाकर, या इलेक्ट्रॉनिक संदेश से या वित्तीय साधनों के उपयोग से, या अन्यथा, अलगाव को या सशस्त्र विद्रोह को या विध्वंसक गतिविधियों को, या अलगाववादी गतिविधियों की भावनाओं को उकसाता है या उकसाने का प्रयास करता है, या भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरे में डालता है, या ऐसे किसी भी कार्य में शामिल होता है या करता है, उसे आजीवन कारावास या कारावास की सज़ा दी जाएगी, जिसे सात साल तक बढ़ाया जा सकता है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इसके साथ ही अपराधों को लिंग-तटस्थ बनाया गया है. संगठित अपराधों और आतंकवादी गतिविधियों की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आतंकवादी कृत्य और संगठित अपराध को नए अपराधों के रूप में सज़ाओं के साथ शामिल किया गया है। बहुत-से अपराधों के लिए जुर्माना और सज़ा बढ़ाई गई है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नए तीन कानून भारतीय नागरिक के अधिकार की रक्षा करने की भावना लाएंगे,उन्होंने कहा,इनका लक्ष्य सज़ा देना नहीं, न्याय दिलाना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पैदल यात्रियों की सुरक्षा को यकीनी बनाएं

नवदीप असीजा/शरद सत्य चौहान

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक जी ने समानता, करुणा और मानवता की सेवा के सिद्धांतों का प्रचार किया था। उनकी शिक्षाएं आज के संदर्भ में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, खासकर पैदल चलने वालों की सुरक्षा पर। पैदल चलना-फिरना या आना-जाना वह वैश्विक नित्य कर्म है जो सबके जीवन का अभिन्न अंग है, यह किसी अन्य के साथ मिलकर रास्ता तय करने और किसी के मुक्त विचरण के अधिकार का द्योतक भी है। गुरु नानक ने न केवल इन मूल्यों पर जोर दिया बल्कि आचरण भी कर दिखाया। उनकी यात्राओं का एक उल्लेखनीय पक्ष यह था कि वे अधिकांशत: पैदल चले और सभी दिशाओं में दूर-दूर तक गए। पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को मान्यता देना यानि गुरु नानक जी की शिक्षाओं का आदर करना और उस समाज को बढ़ावा है जहां सड़कों पर पैदल चलना ससम्मान हो।

पैदल यात्रियों की सुरक्षा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि दुनियाभर में राहगीरों की मौत की संख्या दोगुणी हो गई है- वर्ष 2013 में 6.6 प्रतिशत से 2016 में बढ़कर 12.9 फीसदी हुई। प्रति एक किलोमीटर पैदल चलने वालों के लिए मौत का जोखिम कार-सवारों के मुकाबले नौ गुणा अधिक है। हमारे देश में पैदल चलने वालों की सुरक्षा चिंता का बड़ा कारण बन चुकी है। राष्ट्रीय अपराध लेखा-जोखा ब्यूरो रिपोर्ट-2021 के मुताबिक, हर साल सड़क पर पैदल चलने वालों की लगभग 18,900 मौतें होती हैं अर्थात हर दिन 51 पैदल यात्रियों की मृत्यु। अफसोस कि परेशान करने वाली यह हकीकत न केवल शहरों की है बल्कि देश के ग्रामीण इलाकों की भी है। पंजाब में स्थिति खासतौर पर चिंताजनक है। आंकड़े बताते हैं, सूबे में सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों में अधिकांश संख्या पैदल राहगीरों या साइकिल सवारों की है। हाल के वर्षों में शहरी इलाकों के सड़क हादसों में मारे गए लोगों में 50 प्रतिशत से अधिक गिनती पैदल चलने वालों की रही है। वर्ष 2022 में राज्य की विभिन्न सड़कों पर 1,100 राहगीर मरे। इससे स्पष्ट है कि कुल सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या घटाने में पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भूमिका बहुत बड़ी है।

पैदल राहगीरों की मौत में अधिकांश वे हैं जो कामकाजी आयु वर्ग में आते हैं। उनमें बहुत से अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य होते हैं और न्यूनतम आय एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग से होते हैं। 'चलने का हक' सिद्धांत मानव अधिकारों में एक मूल

तत्व है, जो किसी की आने-जाने और सार्वजनिक जगहों पर जाने की आजादी यकीनी बनाता है। इसके महत्व को समझते हुए उच्च एवं सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर पैदल चलने वालों के हित और सुरक्षा यकीनी बनाने पर जोर देने वाले फैसले देते आये हैं। संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत पैदल यात्रियों के अधिकार सुनिश्चित करने में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी तरह, सर्वोच्च न्यायालय ने देविंदर सिंह नेगी बनाम भारत सरकार एवं अन्य मामले में पैदल यात्रियों के अधिकारों के समर्थन में महत्वपूर्ण अंतरिम फैसला सुनाया है। इन कानूनी दखलों का मकसद सड़क योजना बनाने वक्त पैदल यात्रियों की एवज पर वाहन चालन को तरजीह देने वाले पक्षपाती नजरिये को सुधारना है। पैदल चलने के अधिकार को मान्यता देकर हम सुरक्षित सड़कों को अधिक सुरक्षित और सबको साथ लेकर चलना सुनिश्चित करते हैं। 'पैदल चलने का अधिकार' नामक पहल न्यायालय के उक्त फैसलों पर आधारित है और यह सड़कों को सुरक्षित बनाने एवं राहगीरों के लिए यथेष्ट इंतजाम करने के सरकार के संकल्प को बल देते हैं। बढ़िया योजना से बनाए पैदल-मार्ग, चौक पार करने के समुचित तरीके और साइकिल-मार्ग में निवेश का उद्देश्य शहरी आवागमन में बढ़ोतरी, स्वास्थ्यप्रद पैदल चलने की आदत और सबका ध्यान रखने वाली भावना को बढ़ावा देना है। इसलिए पैदल यात्रियों की सुरक्षा यकीनी बनाने को हम तरजीह दें। जहां सड़क दुर्घटनाएं पैदल चलने वालों की जिंदगी के लिए अधिक घातक हैं वहीं नाकाफी बुनियादी तंत्र और घटिया सड़क डिजाइन उनकी आवाजाही में अड़चन पैदा करते हैं और सुरक्षा से समझौते के हालात बनाते हैं।

इसका सीधा असर व्यक्ति की शारीरिक गतिविधियों और सेहत पर पड़ता है लिहाजा आगे इसका प्रभाव पूरे समाज के स्वास्थ्य पर भी है। इन चिंताओं को हल करने के लिए सरकार और संबंधित पक्षों के लिए मानवीय दृष्टिकोण रवैया अपनाने की जरूरत है। इसमें बृहत नीतियों का क्रियान्वयन, बेहतर ढांचागत परिकल्पना, वर्तमान एवं प्रस्तावित मार्गों की सुरक्षा समीक्षा और जागरूकता अभियान चलाना शामिल है। इसके अलावा, विभिन्न विभाग, जैसे कि परिवहन, शहरी योजना, कानून पालन और शिक्षा संस्थानों के बीच आपसी तालमेल का पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाने में बहुत महत्व है।

सेमीकंडक्टर पावर हाउस बनाने की पहल

शशांक द्विवेदी

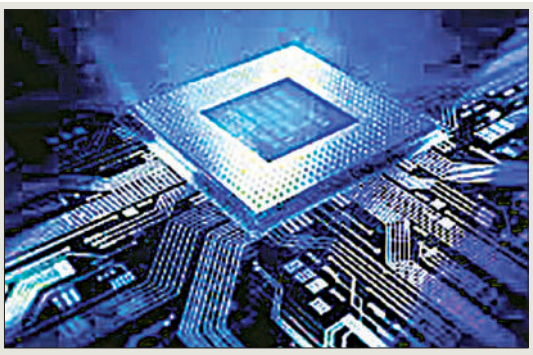

पिछले दिनों देश के सेमीकंडक्टर मिशन को गति देने के उद्देश्य से गुजरात में तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया 2023 सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर स्ट्रैटेजी और इस सेक्टर में हुए डेवलपमेंट को दर्शाना है। सेमीकॉन इंडिया 2023 में सेमीकंडक्टर से जुड़ी देश-दुनिया की कई कंपनियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया 2023 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए देश के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में सुधार करने और एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने भारत को अगला सेमीकंडक्टर पावर हाउस बनने के लिए अपना व्यापक दृष्टिकोण भी सामने रखा।

आज के समय में बिना सेमीकंडक्टर के किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की कल्पना नहीं की जा सकती है। असल में सेमीकंडक्टर चिप एक तरह से हर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का दिल है। भारत में सेमीकंडक्टर की खपत 2026 तक 80 बिलियन डॉलर और 2030 तक 110 बिलियन डॉलर को पार करने की उम्मीद है। इससे यह साफ होता है कि चिप निर्माण भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापार जगत के लिए क्या मायने रखता है। चूंकि सेमीकंडक्टर की आपूर्ति के लिए पूरी दुनिया चीन, ताइवान और साउथ कोरिया पर निर्भर है। 2022 में इंडियन सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री 27 बिलियन डॉलर यानी 22 खरब रुपये से ज्यादा की थी। इसमें से 90 फीसदी चिप की आपूर्ति के लिए हमें आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। वहीं, 2026 तक इसकी खपत 80 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। कोरोना महामारी के बाद सेमीकंडक्टर निर्माण में कमी आने के बाद भारतीय ऑटो मोबाइल समेत अन्य तकनीकी उद्योग प्रभावित हुए थे, क्योंकि महंगी कारों से लेकर स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल होता है।

भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग को लेकर 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का एक इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम शुरू किया, जिसका उद्देश्य भारत में चिप निर्माण के लिए जरूरी इको-सिस्टम डेवलप करना और इसके लिए विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। आने वाले वर्षों में सेमीकंडक्टर्स की मांग तेजी से बढ़ेगी। सबसे ज्यादा डिमांड कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, स्मार्टफोन्स इंडस्ट्री में होगी। वहीं, टेलीकॉम सेक्टर में पूरी तरह से 5जी सर्विसेज के आने के बाद आईओटी डिवाइस का इस्तेमाल तेजी से बढ़ेगा, इस वजह से स्मार्ट इलेक्ट्रिक डिवाइसेस की मांग भी बढ़ेगी। भारत हर साल 100 अरब डॉलर मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात करता है। इसमें 30 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले ग्लास शामिल हैं। सेमीकंडक्टर चिप निर्माण कुछ ही देशों में केंद्रित है। ताइवान दुनिया के 60 प्रतिशत से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन करता है और दक्षिण कोरिया 100 प्रतिशत सबसे उन्नत चिप्स (10 नैनोमीटर से कम) बनाता है। दरअसल, मेमोरी चिप निर्माता माइक्रॉन टेक्नोलॉजी द्वारा भारत में संयंत्र लगाने की घोषणा किए जाने के बाद कई सेमीकंडक्टर निर्माताओं ने देश में चिप निर्माण संयंत्र लगाने में दिलचस्पी दिखाई है। मेमोरी चिप निर्माण में कुछ बड़ी कंपनियां एसेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) तथा निर्माण संयंत्रों के लिए भारत पर ध्यान दे रही थीं।

इसके अलावा, कम्पाउंड सेमीकंडक्टर एटीएमपी कंपनियां भारत में निवेश की संभावना तलाश रही हैं। माइक्रॉन ने पिछले महीने सरकार की 10 अरब डॉलर की पीएलआई योजना के तहत गुजरात में सेमीकंडक्टर एटीएमपी संयंत्र लगाने की योजना का खुलासा किया था। कंपनी ने 2024 के अंत तक 2.75 अरब डॉलर का संयंत्र चालू करने की योजना बनाई है। भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए माइनिंग और मिनरल क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता ग्रुप सबसे आगे है। इसके लिए कंपनी जरूरी संसाधन और टेक्नोलॉजी पार्टनर ढूंढ़ रही है। वेदांता ग्रुप की महत्वाकांक्षी सेमीकंडक्टर निर्माण परियोजना से ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन अलग हो चुकी है। हालांकि, कंपनी का कहना है कि ज्वाइंट वेंचर के लिए कई भागीदार तैयार हैं। 'सेमीकॉन इंडिया 2023' के दौरान वेदांता ग्रुप के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने यहां तक कह दिया कि हम ढाई साल में भारत विनिर्मित चिप उपलब्ध करा देंगे।

इस साल कंपनी सेमीकंडक्टर फैब और डिस्प्ले फैब के क्षेत्र में कदम रखेगी। उन्होंने कहा कि वेदांता लिमिटेड ने भारत में अब तक 35 अरब डॉलर का निवेश किया है। चिप निर्माण के लिए स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं का अभाव भारत में चिप निर्माण तंत्र निर्माण की राह में उद्योग हितधारकों की मुख्य चिंताओं में से एक था। चिप निर्माण के लिए कई तरह के कच्चे माल की जरूरत होती है। भारत ने अगर अपना इकोसिस्टम तैयार कर लिया तो सेमीकंडक्टर प्लांट लगने के बाद देश धीरे-धीरे चिप बनाने के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा। अर्द्धचालक और डिस्प्ले निर्माण एक बहुत ही जटिल और प्रौद्योगिकी-गहन क्षेत्र है, जिसमें भारी पूंजी निवेश, उच्च जोखिम, लंबी भुगतान अवधि तथा प्रौद्योगिकी में तेज़ी से बदलाव शामिल है, जिसके लिये महत्वपूर्ण व निरंतर निवेश की आवश्यकता होती है। भारत सरकार को चिप निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिये भारत में संबंधित उद्योगों को जोड़ने की तत्काल आवश्यकता है।

15 अगस्त

झंडा ऊंचा रहे हमारा...

स्वतंत्रता दिवस की थीम

आजादी का अमृत मोहत्सव समारोह के श्रृंखला में, स्वतंत्रता दिवस 2023 की थीम राष्ट्र पहले, हमेशा पहले होगी। इस प्रयास के हिस्से के रूप में, सरकार विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं को चलाने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश के भीतर मौजूद विभिन्न संस्कृतियों का सम्मान करेगी। अपनी गतिविधियों का समन्वय करके और भारत और दुनिया भर के लोगों तक पहुंच कर, वे इस जन आंदोलन को और भी अधिक बढ़ावा दे सकें। इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस अमृत महोत्सव की 75-सप्ताह की उलटी गिनती के पूरा होने का भी प्रतीक होगा।

15 अगस्त 2023, मंगलवार को पूरे भारत के लोगों द्वारा मनाया जायेगा। इस साल 2023 में भारत में 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जायेगा। 15 अगस्त 1947 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। हमारे देश का तिरंगा जब शान से लहराता है तो हर भारतीय का सीना गर्व से फूल कर चौड़ा हो जाता है, यह पल गर्व से भर देने वाला होता है। आज की तारीख भारत की आजादी के इतिहास में खास दिन है, जिसे साकार करने के लिए देश के अनेक वीर सपूतों ने हंसते-हंसते अपनी जान कुर्बान कर दी थी, वीरांगनाएं भी बलिदान देने से पीछे नहीं हटीं। स्वतंत्रता दिवस एक विशेष दिन है। भारत को 190 वर्षों की लंबी लड़ाई के बाद, 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश सरकार और उनके क्रूर नियमों से आजादी मिली थी। ब्रिटिश शासन से मिली देश की आजादी को चिह्नित करने के लिए हर साल स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह देशभक्ति के उत्साह, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नेताओं के भाषणों से भरा एक विशेष अवसर होता है।

ऐसे हुई थी राष्ट्रीय ध्वज की रचना

बताया जाता है कि 1916 में स्वतंत्रता सेनानी आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया ने एक ऐसे झंडे के बारे में सोचा जो सभी भारतवासियों को एक धागे में पिरोकर रखे। उनकी इस पहल को एस.बी. बोमान जी और उमर सोमानी का साथ मिला और इन तीनों ने मिल कर नेशनल फ्लैग मिशन की स्थापना की। वहीं वैंकेया महात्मा गांधी से काफी प्रेरित थे। महात्मा गांधी ने उन्हें इस ध्वज के बीच में अशोक चक्र रखने की सलाह दी जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में संकेत बनेगा।

स्वतंत्रता दिवस का महत्व

स्वतंत्रता किसी भी व्यक्ति के लिए महत्व रखने वाली है और भारतीय स्वतंत्रता दिवस भी हमारे लिए उतना ही महत्व रखता है। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2022) के मौके पर हम सभी भारतीय आजादी का महत्व समझते हैं और उन सभी बलिदानी वीरों को याद करते हैं जिन्होंने हमारे लिए जान गंवाई। सभी व्यक्तियों में देशभक्ति की भावना जागृत होती है और अपने राष्ट्रीय शहीद और प्रतिको के लिए सम्मान की भावना जागृत होती है।

स्वतंत्रता दिवस का महत्व इसीलिए भी है की, इस दिन लोगों को भारत की स्वतंत्रता के महत्व और लोगों को भारत की स्वतंत्रता का प्रचार- प्रसार करने की शिक्षा सरकारी विभागों द्वारा दी जाती है। भारत की स्वतंत्रता के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता और महत्व के बारे में लोगो को जागरुक करने के लिए स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री देते हैं भाषण

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और एकजुट, प्रगतिशील और समावेशी भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताने के लिए लोग एक साथ आते हैं। इस अवसर पर प्रमुख सरकारी इमारतों को रोशनी और तिरंगे झंडों से रोशन किया जाता है, घरों और अन्य इमारतों पर भी झंडों को फहराया जाता है। राष्ट्रपति 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन देते हैं। भारत के प्रधानमंत्री पुरानी दिल्ली के लाल किले में भारतीय ध्वज फहराने के साथ भाषण भी देते हैं। इसके साथ ही विशेष उपलब्धियों को गिनाते हैं। इसके अलावा राज्यों की राजधानियों में ध्वजारोहण समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और अक्सर कई स्कूल और संगठन इसमें भाग लेते हैं।

आजादी का प्रतीक

भारत में पतंग उड़ाने का खेल भी स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक है, विभिन्न आकार प्रकार और स्टाईल के पतंगों से भारतीय आकाश पट जाता है। इनमें से कुछ तिरंगे के तीन रंगो में भी होते हैं, जो राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करते हैं। स्वतंत्रता दिवस का दूसरा प्रतीक नई दिल्ली का लाल किला है जहां 15 अगस्त 1947 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने तिरंगा फहराया था।

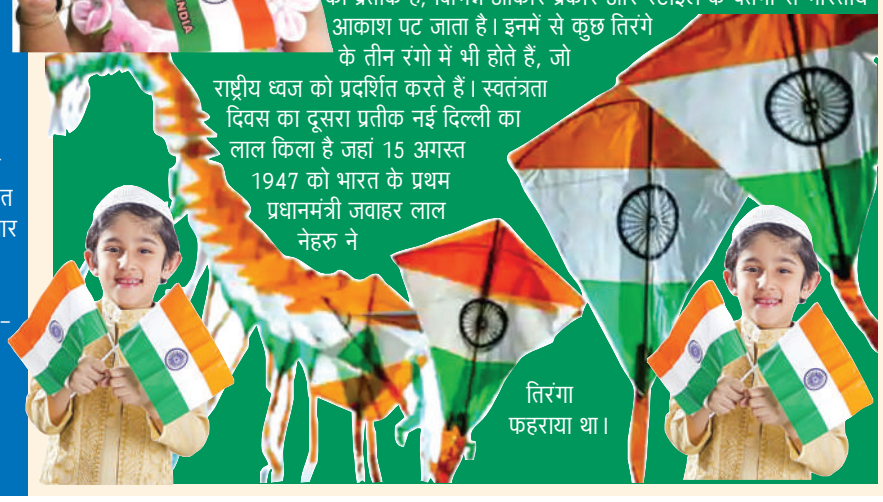

हंसना मना है

एक सुंदर औरत? क्रिकेट का मैच देख रही थी और चेहरे पर इंडिया के झंडे का नक्शा था, एक बजुर्ग पास आया और उसके चेहरे को चूम कर बोला कितना सुंदर है मेरा भारत?

सत्संग चल रहा था, पंडित जी बता रहे थे, जो नर है वो अगले जन्म में भी नर ही बनेगा और जो नारी है, वो अगले जन्म में भी नारी ही बनेगी! एक बुढ़िया उठकर जाने लगी तो पंडित जी ने पूछा क्या हुआ? बुढ़िया बोली जब अगले जन्म में भी रोटियां ही बनानी है तो सत्संग सुनने का क्या फायदा?

गर्ल- तुम क्या कर रहे हो? बोय-मच्छर मार रहा हुं, गर्ल- कितने मारे? बोय-5 मारे, 3 फिमेल और 2 मेल, गर्ल- कैसे पता चला, मेल है या फिमेल, बोय- 3 आईने के पास बैठे थे ओर 2 बियर के पास?

कहानी — आखिरी उपदेश

गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहे शिष्यों में आज काफी उत्साह था, उनकी बारह वर्षों की शिक्षा आज पूर्ण हो रही थी और अब वो अपने घरों को लौट सकते थे। गुरु जी भी अपने शिष्यों की शिक्षा-दीक्षा से प्रसन्न थे और गुरुकुल की परंपरा के अनुसार शिष्यों को आखिरी उपदेश देने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा, आप सभी एक जगह एकत्रित हो जाएं, मुझे आपको आखिरी उपदेश देना है। गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए सभी शिष्य एक जगह एकत्रित हो गए। गुरु जी ने अपने हाथ में कुछ लकड़ी के खिलौने पकडे हुए थे, उन्होंने शिष्यों को खिलौने दिखाते हुए कहा, आप को इन तीनों खिलौनों में अंतर ढूंढने हैं। सभी शिष्य खिलौनों को देखने लगे, तीनो लकड़ी से बने बिलकुल एक समान दिखने वाले गुड्डे थे। सभी चकित थे की भला इनमे क्या अंतर हो सकता है? तभी किसी ने कहा, अरे, ये देखो इस गुड्डे के में एक छेद है। यह संकेत काफी था ,जल्द ही शिष्यों ने पता लगा लिया और गुरु जी से बोले, गुरु जी इन गुड्डों में बस इतना ही अंतर है कि एक के दोनों कान में छेद है दूसरे के एक कान और एक मुंह में छेद है और तीसरे के सिर्फ एक कान में छेद है, गुरु जी बोले, बिलकुल सही और उन्होंने धातु का एक पतला तार देते हुए उसे कान के छेद में डालने के लिए कहा। शिष्यों ने वैसा ही किया। तार पहले गुड्डे के एक कान से होता हुआ दूसरे कान से निकल गया दूसरे गुड्डे के कान से होते हुए मुंह से निकल गया और तीसरे के कान में घुसा पर कहीं से निकल नहीं पाया। तब गुरु जी ने शिष्यों से गुड्डे अपने हाथ में लेते हुए कहा , प्रिय शिष्यों, इन तीन गुड्डों की तरह ही आपके जीवन में तीन तरह के व्यक्ति आयेंगे। पहला गुड्डा ऐसे व्यक्तियों को दर्शाता है जो आपकी बात एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देंगे ,आप ऐसे लोगों से कभी अपनी समस्या साझा ना करें। दूसरा गुड्डा ऐसे लोगों को दर्शाता है जो आपकी बात सुनते हैं और उसे दूसरों के सामने जा कर बोलते हैं, इनसे बचें और कभी अपनी महत्वपूर्ण बातें इन्हें ना बताएं। और तीसरा गुड्डा ऐसे लोगों का प्रतीक है जिनपर आप भरोसा कर सकते हैं और उनसे किसी भी तरह का विचार- विमर्श कर सकते हैं, सलाह ले सकते हैं, यही वो लोग हैं जो आपकी ताकत है और इन्हें आपको कभी नहीं खोना चाहिए।

7 अंतर खोजें

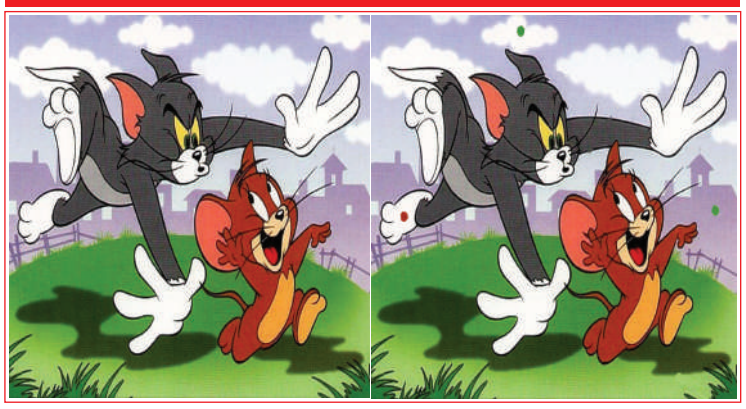

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क

घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु

अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ

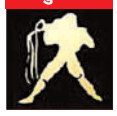

रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

ईमानदारी से अपना काम कर लिया तो फल मिल ही जाएगा : पंकज त्रिपाठी

अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी 2 बड़े पर्दे पर रिलीज हो गई है फिल्म को अपने ट्रेलर रिलीज के बाद से ही विवादों में घिरी थी जिसके बाद सेंसर बोर्ड की तरफ से कथित तौर पर 27 कट्स के बाद फिल्म को रिलीज किए जाने की इजाजत मिल गई। अब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और इसी बीच फिल्म में अहम किरदार निभा रहे पंकज त्रिपाठी ने भगवान में अपनी आस्था को लेकर अपनी राय दी। इस सवाल पर कि क्या कभी ऐसा हुआ है जब उन्होंने सबकुछ भगवान पर छोड़ दिया हो, पंकज त्रिपाठी ने जवाब दिया कि ऐसा हमेशा होता है। उन्होंने कहा, जो हमसे नहीं होता वो हम भगवान पर छोड़ देते हैं। कोई देखे न देखे वो तो देख रहा है। बता दें कि फिल्म ओएमजी 2 में पंकज कांति का किरदार निभा रहे हैं जो भगवान का भक्त है और उसे अपनी भक्ति पर विश्वास है। पंकज ने आस्था को लेकर अपने विचार शेयर किए। उन्होंने कहा, कर्म करो, यह कर्म प्रधान दुनिया है। आस्था और विश्वास पर ही दुनिया चल रही है। मेरा मानना है कि ईमानदारी से अपना काम कर लिया तो फल मिल ही जाएगा। विश्वास की बड़ी भूमिका है। हमें लगता है हमारा बुरा वक्त चल रहा है, लेकिन वक्त के साथ वह ठीक हो जाता है। पंकज ने आगे कहा कि धर्म सिर्फ आस्था और प्रैक्टिस की चीज नहीं है। यहां आचरण भी अहम है और मैं आचरण में यकीन रखता हूं। अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी 2 एक शिव भक्त कांति की कहानी है जिसके बेटे को स्कूल से निकाल दिया जाता है। उसपर खराब कैरेक्टर होने का आरोप लगाया जाता है। फिल्म बच्चों में सेक्स एजुकेशन की इंपोर्टेंस पर फोकस करती है।

अब 25 अगस्त को रिलीज होगी नुसरत भरूचा की फिल्म अकेली

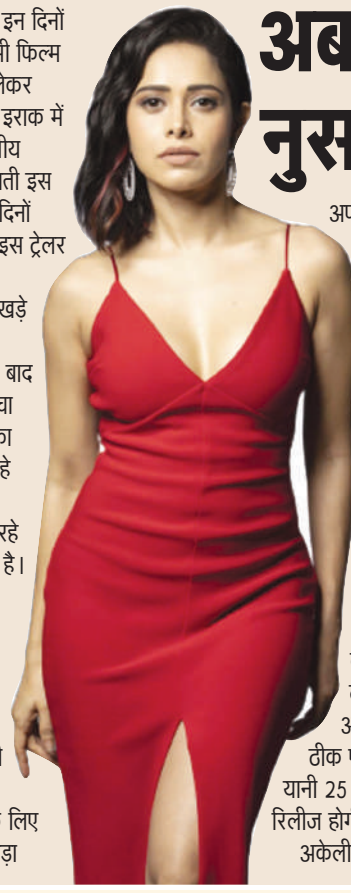

नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म अकेली को लेकर सुर्खियों में हैं। युद्धग्रस्त इराक में अकेली फंसी एक भारतीय लड़की की कहानी दिखाती इस फिल्म का ट्रेलर पिछले दिनों रिलीज किया गया था। इस ट्रेलर में नुसरत का अभिनय देखकर सभी के रोंगटे खड़े हो गए थे। अकेली का जबर्दस्त ट्रेलर देखने के बाद से ही फैंस नुसरत भरूचा की फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। लेकिन हमारे पास फिल्म का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बुरी खबर है। दरअसल, अकेली की रिलीज को टाल दिया गया है।

प्रणय मेश्राम निर्देशित और नुसरत भरूचा अभिनीत अकेली के मेकर्स ने इसका इंतजार कर रहे फैंस के लिए फिल्म की रिलीज पर बड़ा अपडेट साझा किया है। मेकर्स ने बताया है कि फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया है। बता दें, पहले यह एक्शन फिल्म 18 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन अब अकेली इसके ठीक एक हफ्ते बाद यानी 25 अगस्त को रिलीज होगी।

अकेली की रिलीज की तारीख बदलने की जानकारी नुसरत भरूचा ने अपने ट्विटर हैंडल पर फैंस को दी। अभिनेत्री ने फिल्म का एक नया पोस्टर साझा करते हुए लिखा, न्यूज रिलीज डेट अलर्ट! अकेली की नई रिलीज डेट है, 25 अगस्त! उस लड़की के जीवित रहने की कहानी.. उसके आस-पास की अराजकता से भी अधिक जोर से गूंजती है। नए पोस्टर में नुसरत भरूचा काफी हैरान नजर आ रही हैं और उनके पीछे साफा पहने त्साही हलेवी और अमीर बुतरस को भी देखा जा सकता है।

ये है फिल्म की स्टार कास्ट

बीते दिनों सामने आए अकेली के ट्रेलर में नुसरत भरूचा के किरदार के भागने की कोशिश से होती है, लेकिन वह हथियारबंद लोगों से घिरी हुई नजर आ रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखा जाएगा। अकेली में नुसरत भरूचा के अलावा निशांत दहिया, त्साही हलेवी और अमीर बुतरस भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रणय मेश्राम ने किया है।

सनी देओल ने मचाया गदर

कैसी फिल्म है गदर-2

इस बार सनी हैंडपंप उखाड़ते नहीं है बस देखते हैं और पाकिस्तानी दुश्मनों के पसीने छूट जाते हैं। गदर एक इमोशन है और गदर 2 देखते हुए ये बात अच्छे से महसूस होती है। जब तारा सिंह पाकिस्तान में दुश्मनों का बैंड बजाता है और हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाता है तो पूरा थिएटर तालियों से गूंज उठता है।

पहले ही दिन किया 40 करोड़ का कलेक्शन

बॉलीवुड | मसाला

सनी देओल स्टारर गदर ने 22 साल बाद फिर बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया है। फैंस इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे, जो इस शुक्रवार पूरा हुआ। इसकी एक झलक बॉक्स ऑफिस पर भी देखने को मिल रही है। जहां फिल्म तगड़ी कमाई करती नजर आ रही है। पहले ही दिन फिल्म ने अच्छी खासी कमाई करके शाहरुख स्टारर पठान को टक्कर दी है। तो चलिए जानते हैं अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी ये फिल्म पहले दिन कमाई का कितना आंकड़ा पार कर गई है।

ये शुक्रवार सिनेमा लवर्स के लिए बेहद खास रहा, क्योंकि लंबे इंतजार के बाद गदर और ओएमजी जैसी दो बड़ी और ब्लॉकबस्टर फिल्मों के सीक्वल रिलीज हो चुके हैं। अब गदर 2 का अर्ली स्टीमेट सामने आ चुका है। जिसमें इसका फर्स्ट डे कलेक्शन 40 करोड़ बताया जा रहा है।

गदर 2 पठान के बाद फर्स्ट डे कलेक्शन के मामले में साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। जहां शाहरुख खान स्टारर पठान का पहले दिन का कलेक्शन 55 करोड़ रुपए रहा तो वहीं सनी देओल स्टारर गदर 2 ने पहले दिन 40 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। जिसके बाद ये साल की दूसरी बड़ी ओपनर फिल्म मानी जा रही है।

अजब-गजब | इस स्कूल में दर्जनों ट्विन्स ने लिया है एडमिशन!

जुड़वा बच्चों की वजह से इस साल भी सुर्खियों में है यह इलाका

स्कॉटलैंड के 32 काउंसिल इलाकों में से एक इन्वरक्लाइड में एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। वहां अगले वीक से शुरू हो रहे इन्वरक्लाइड के स्कूलों में 17 जोड़े जुड़वा बच्चों ने एडमिशन लिया है। यह दूसरी सबसे बड़ी रिकॉर्ड संख्या है। इससे पहले 2015 में रिकॉर्ड 19 जोड़े जुड़वा बच्चों ने इन्वरक्लाइड के स्कूलों में दाखिला लिया था। स्कूल इन जुड़वा बच्चों को लेकर खासे उत्साहित हैं और नेक्स्ट वीक के लिए खुद को तैयार भी कर रहे हैं।

अक्सर जुड़ावा बच्चों में अंतर कर पाना काफी मुश्किल होता है, इस मायने में यह टीचर्स के लिए 'दोबरी मुसीबत' होने जैसा हो सकता है। भाई-बहन के जुड़वा कुल 17 जोड़े इस साल 18 अगस्त से पी1 की पढ़ाई शुरू करेंगे। इन्वरक्लाइड में जुड़वा बच्चों की उच्च दर के कारण उसे 'ट्विनवरक्लाइड' के रूप में जाना जाता है।

शुक्रवार को, सेशन-2023 क्लास के अधिकांश स्टूडेंट्स अपने पहले दिन से पहले

'ड्रेस रिहर्सल' के लिए ग्रीनॉक के सेंट पैट्रिक प्राइमरी स्कूल में एकत्र हुए।

कार्यक्रम में 17 में से 15 जुड़वां बच्चों के जोड़े हाजिर रहे। सभी बच्चे अपना स्कूल शुरू होने को लेकर काफी खुश और उत्साहित दिखे।

सेंट पैट्रिक इनवरक्लाइड के दो स्कूलों में से एक है, जो जुड़वा बच्चों के सबसे अधिक जोड़े ले रहा है, जिनमें से प्रत्येक के तीन जोड़े अपनी-अपनी प्राइमरी क्लासेज में शामिल होते हैं। 2013 से 2023 तक की क्लासेज में पहले से 147 जोड़े जुड़वा बच्चे पढ़ रहे हैं। इनवरक्लाइड काउंसिल के अधिकारी 'ग्रीम ब्रुक्स' का कहना है कि, 'इनवरक्लाइड, या ट्विनवरक्लाइड, जैसा कि हम जानते हैं, में जुड़वां बच्चों का प्राइमरी क्लासेज में स्वागत करना एक वार्षिक परंपरा बन गई है। अगले सप्ताह नए सत्र की शुरुआत के लिए उत्साह निश्चित रूप से बढ़ रहा है और यहां स्टूडेंट्स को अपनी ड्रैस में शानदार दिखने से बेहतर क्या तरीका हो सकता है। यह पेरेंट्स के लिए भी एक अच्छा मनोरंजन है।

इस महिला को है फर्नीचर बनने का शौक कभी बन जाती है लैंप तो कभी दीवार घड़ी!

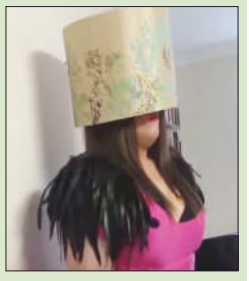

दुनिया में लोगों के कई तरह के शौक होते हैं। कुछ को पढ़-लिखकर बड़े पोस्ट पर जाने का शुक होता है तो कुछ को सारा काम छोड़कर दुनिया देखने के शौक होता है। लेकिन आज हम जिस महिला के बारे में आपको बताने जा रहे हैं, उसे फर्नीचर बनने का शौक है। जी हां, ये महिला घर का सामान बनने का शौक रखती है। इसके तहत कभी वो घर के किसी कोने में लैंप बनकर खड़ी हो जाती है तो कभी दीवार से चिपक कर घड़ी बन जाती है। हम बात कर रहे हैं ओलंपिया नाम की महिला की। ओलंपिया का एक वीडियो कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर किया गया है। इसमें खुद महिला ने बताया कि उसे फर्नीचर बनने का शौक है। ये शौक उसे बचपन में ही लगा था जब एक बार उसकी आंटी इसे सोफे समझकर उसके ऊपर बैठ गई थी। ओलंपिया की स्टोरी को एक डॉक्युमेंट्री में दिखाया गया, जिसे अभी तक करोड़ों बार देखा जा चुका है। वो हर दिन अलग-अलग फर्नीचर आइटम बनना पसंद करती है।

अपने इस शौक के लिए ओलंपिया बेहद सीरियस रहती है। उसके पार्टनर नोवा के मुताबिक, वो घर का अलग-अलग सामान बनी रहती है। कभी वो टेबल बनती है, कभी सोफा तो कभी कोई और सामान। इसके लिए वो घर का एक हिस्सा चुनती है और फिर उसी में घंटों तक खड़ी रहती है। एक बार उसकी आंटी ने उसे सोफा समझ बैठ गई थी। तभी से उसे ये अजीबोगरीब शौक लग गया। ओलंपिया के इस अजीबोगरीब शौक का वीडियो सोशल मीडिया पर सालों पहले शेयर किया गया था। यूट्यूब पर इसे अभी तक करोड़ों बार देखा जा चुका है। एक बार फिर इंस्टाग्राम पर इसे शेयर किया गया। इसे देखने के बाद लोगों ने कई कमेंट्स किये। एक ने लिखा कि जहां दुनिया के बाकी देश अपनी पहचान बनाने में जुटे हैं, वहां कुछ लोग अपनी ऐसी पहचान बना रहे हैं। कई लोगों ने ओलंपिया को पागल भी बताया। हालांकि, अब ये महिला सोशल मीडिया स्टार बन गई है और अपने पोस्ट के जरिये पैसे कमा रही है।

लाल किले से जुमले नहीं उछालेंगे पीएम : नीतीश

बोले- नौ साल तक मन की बात की पर मुद्दों पर रहे मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कल स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी लाल किले पर झंडा फहरायेंगे, उससे पहले बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने उन पर निशाना साधते हुए कहा है कि उम्मीद है लाल किले से युवाओं के लिए जुमले नहीं उछालेंगे। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार (15 अगस्त) को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल से नौवीं बार झंडा फहराएंगे। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी ने पीएम मोदी और बीजेपी पर ना सिर्फ निशाना साधा है बल्कि बड़ी मांग कर दी है, नीतीश की पार्टी जेडीयू के ट्विटर हैंडल से सोमवार (14 अगस्त) की सुबह एक वीडियो पोस्ट किया गया है, वीडियो के जरिए निशाना साधा गया है।

सोमवार की सुबह जारी किए गए वीडियो के जरिए कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब 24 घंटे के बाद लाल किले से देश की जनता को संबोधित , तंज कसते हुए कहा गया है कि बीते 9 साल से आपके मन की बात देश ने सैकड़ों घंटे सुनी हैं, जनता से जुड़े मुद्दों पर आप हमेशा मौन रहते हैं लेकिन उम्मीद है कि आप इस बार लाल किले से आम जन के हित की बात करेंगे, देश की जनता उम्मीद कर रही है कि आप मणिपुर पर सच बोलेंगे।

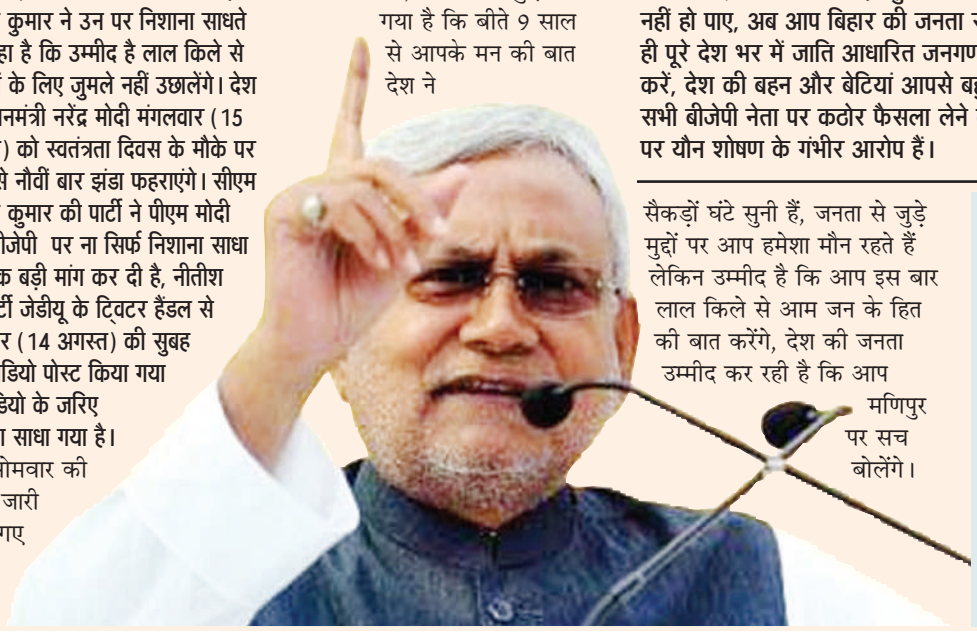

जाति आधारित जनगणना की घोषणा भी करें

जाति आधारित गणना को लेकर कहा गया कि आपकी पार्टी (बीजेपी) ने बिहार में इसे रोकने के लिए बहुत कोशिश की लेकिन आप लोग इसमें सफल नहीं हो पाए, अब आप बिहार की जनता से माफी मांगिए और बिहार की तरह ही पूरे देश भर में जाति आधारित जनगणना करने की घोषणा लाल किले से करें, देश की बहन और बेटियां आपसे बहुत निराश हैं, उम्मीद है कि आप उन सभी बीजेपी नेता पर कठोर फैसला लेने की घोषणा लाल किले से करेंगे जिन पर यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं।

आपके लिए प्रायश्चित का मौका : जेडीयू

वीडियो में आयुष्मान भारत में घोटाले का जिक्र किया गया है, कहा कि आपकी सरकार ने भगवान राम की अयोध्या में कई घोटाले किए हैं, इन सबका सच पूरे देश को बता दीजिए, लाल किले पर आप आखिरी बार तिरंगा फहरा रहे हैं, ये आपके लिए प्रायश्चित का मौका है, देश की नजर आप पर है,उम्मीद है लाल किला से आप सच ही बोलेंगे।

वाराणसी से चुनाव जीत सकती हैं प्रियंका : राउत

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) नेता संजय राउत ने दावा किया है कि अगर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ती हैं, तो वह निश्चित रूप से जीत हासिल करेंगी। संजय राउत से जब प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, वाराणसी के लोग प्रियंका गांधी को चाहते हैं, अगर प्रियंका गांधी वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ती हैं,

तो वह निश्चित रूप से जीत हासिल करेंगी. वाराणसी के लोग प्रियंका गांधी को चाहते हैं, भाजपा के लिए रायबरेली, वाराणसी और अमेठी की चुनावी लड़ाई मुश्किल साबित हो सकती है। वहीं, शरद पवार और अजित पवार की मीटिंग को लेकर संजय राउत ने कहा कि अगर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिल सकते हैं, तो शरद पवार और अजित पवार क्यों नहीं?

ओवैसी के घर के शीशे टूटे, पुलिस की जांच जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। असदुद्दीन ओवैसी के दिल्ली स्थित घर के दरवाजे के शीशे टूटे मिले हैं। पुलिस ने जांच जारी कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि टूटे शीशे के आसपास कोई पत्थर या ऐसी कोई अन्य चीज नहीं मिली है।

पुलिस ने सोमवार को कहा कि एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के दिल्ली आवास के दरवाजे के दो शीशे टूटे हुए पाए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि पुलिस इलाके की छानबीन कर रही है और जांच जारी है। इससे पहले 19 फरवरी को दिल्ली में औवेसी के घर पर हमला हुआ था। पुलिस के अनुसार, अज्ञात बदमाश उनके दिल्ली आवास पर पहुंचे और पथराव किया, जिससे खिड़कियां क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद ओवैसी ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। अपनी शिकायत में, ओवैसी ने आरोप लगाया कि कुछ अज्ञात उपद्रवियों द्वारा उनके दिल्ली आवास पर पथराव किया गया। 2014 के बाद से औवेसी के आवास पर यह पांचवां हमला था।

हिमाचल में फटा बादल, 23 की मौत

» कई लापता, भूस्खलन से सड़कें बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच भारी बारिश से तबाही का दौर जारी है। जिला सोलन में रविवार देर रात बादल फटने से बाढ़ के साथ आए मलबे में दो मकान और एक गौशाला बह गई। बादल फटने की इस घटना में 23 लोगों को मौत हो गई, जबकि कई लापता हैं, टीम ने कई लोगों को बचा लिया है। इसके अलावा भूस्खल के चलते कई हाईवे और सड़कें बंद हो गई हैं।

जानकारी के अनुसार, पुलिस नियंत्रण कक्ष सोलन को मिली सूचना के अनुसार, गांव जादोन डाकघर में बादल फटने की घटना हुई। इससे दो मकान और एक गोशाला बह गई। जडौण गांव में रती राम और इसके बेटे हरनाम के दो मकान भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए। इसमें कई लोगों की मौत हो चुकी है। चार पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। मृतकों में हरनाम (38), कमल किशोर (35), हेमलता (34), राहुल (14), नेहा (12), गोलू (8), रक्षा (12) शामिल हैं। अन्य शवों की पहचान हो रही है।

एक महिला कान्ता देवी की टांग टूट गई है। उसे उपचार के लिए भेजा गया है। जबकि पांच लोग ठीक हैं। एसडीएम कंडाघाट सिद्धार्थ आचार्य ने यह जानकारी दी। इसके पड़ोस के गांव जाबल में गौशाला गिरने से पांच पशु मर गए। शिमाल के लाल कोठी में भूस्खलन से कुछ लोगों के दबने की आशंका है। इसके अलावा, सोलग के पास दाड़ला मोड़ से बैरी रोड बंद हो गया है। रविवार को ट्रैफिक दाड़ला मोड़ से नवगांव बैरी बरमाना घागस डायवर्ट किया था। अब नवगांव बैरी सड़क भी सोलग के पास बंद है। लहासा गिरने से मार्ग बाधित हुआ है। धर्मशाला शिमला रोड अभी तक दगसेच के पास बंद है। घुमारवीं विधानसभा के तलवाड़ा के ढटोह गांव में बड़ा भूस्खलन हुआ है। प्रशासन ने कुछ घर खाली कराए हैं। बड़सर विधानसभा क्षेत्र के ब्याड के पास एक कार पानी के तेज बहाव की चपेट में आई। गाड़ी में सवार तीन लोगों में से दो को पुलिस टीम ने रेस्क्यू किया।

यूपी में कमजोर पड़ रहा मानसून

जलवायु परिवर्तन से इस बार समय से पहले ही अलनीनो का प्रभाव हावी हो गया है। जिसकी वजह से कानपुर मंडल समेत पूरे प्रदेश के तराई वाले जिलों को छोड़कर बारिश का सिलसिला टूट गया है। मानसूनी हवाओं की दिशा बदलने बारिश वाले बादल बनना बंद हो गए हैं। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के हवाले से बताया है कि इस सीजन में जून से लेकर अभी तक पूर्वी उप्र में बारिश की मात्रा 29 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। आगामी 30 सितंबर तक चलने वाले मानसून माह में बारिश की संभावना कम हो गई है। इससे धान व खरीफ की अन्य फसलों का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार नए अध्ययन में यह सामने आया है कि उत्तर भारत में मानसूनी बारिश पर अल नीनो सदर्न आसिलेशन (ईएनएसओ) का प्रभाव हाल के दशकों में असाधारण रूप से मजबूत हुआ है।

कौस्तुभ ने कराटे में जीता गोल्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली तालकटोरा स्टेडियम मे चल रहे 17 ऑल इंडिया इंडिपेंडेंस कप इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप 2023 मे कौस्तुभ राज सिंह भारत टीम से प्रतिनिधित्व करते हुये 40 किलो 9 से 10 साल वर्ग में गोल्ड मेडल अर्जित किया।

» ईशान द्विवेदी को मिली चांदी

वही पर ईशान द्विवेदी भारत टीम से प्रत्यानिधित्व करते हुये 45 किलो 11 से 13 साल वर्ग में सिल्वर मेडल अर्जित किय। कौस्तुभ राज सिंह और ईशान द्विवेदी 9 जुपिटर कराटे एकेडमी मे कोच अखण्ड प्रताप सिंह से कराटे सीखते है । 9 जुपिटर कराटे एकेडमी के संरक्षक अशोक पाल का कहना है कि यह बच्चों के लिए बहुत गर्व कि बात है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीत से भारत ने लगाई छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीत गई है। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मैच में भारत ने मलेशिया को 4-3 से मात दी है और चौथी बार ट्रॉफी पर कब्जा किया है। इस जीत के बाद भारतीय हॉकी टीम की बल्ले बल्ले हो गई है क्योंकि टीम अब वर्ल्ड रैंकिंग में तीसरे पायदान पर भी पहुंच गई है। वहीं जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खले मंत्री अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों की तारीफ की है।

रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंची हाकी टीम

हॉकी इंडिया ने भी टीम के चैंपियन बनने के बाद खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार दिए जाने का ऐलान किया है। बता दें कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी को चौथी बार जीतने के बाद भारतीय हॉकी टीम ने नया कीर्तिमान भी रचा है। रविवार को एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) द्वारा जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार भारतीय टीम अब वर्ल्ड रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। भारतीय हॉकी टीम ने एशियाई खेलों से पहले शानदार खेल दिखाया है, जिससे उसकी रैंकिंग में सुधार हुआ है। वहीं रैंकिंग में मिले इस सुधार के बाद भारतीय टीम का हौसला बढ़ेगा।

इंग्लैंड को पछाड़ा

बता दें कि भारत (2हह्ह771.35 अंक) इंग्लैंड (2763.50 अंक) को पछाड़ कर एक स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचा। इस रैंकिंग में नीदरलैंड (3095.90 अंक) पहले और बेल्जियम (2917.87 अंक) दूसरे स्थान पर हैं। यह दूसरी बार है जब भारत एफआईएच रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंचा। भारतीय टीम ने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने के बाद यही रैंकिंग हासिल की थी। तोक्यो में भारत ने ओलंपिक में पदक के 41 साल के सूखे को खत्म किया था।

पीएम मोदी और सीएम योगी को पत्र लिखकर किसान ने की आत्महत्या

» सांड के हमले और कर्ज से था परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर देहात। विधान सभा में सांड को लेकर सीएम योगी व नेता प्रतिपक्ष के बीच जमकर एक दूसरे पर वार-पलटवार करते रहे पर इस बीच शनिवार को एक किसान ने सांड की वजह से आत्महत्या कर ली। दरअसल, कानपुर देहात में खेती व अन्य कार्यों के लिए बैंक व एक ग्रामीण से लिए कर्ज को नहीं चुका पाने से परेशान किसान ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम खत लिखकर शनिवार की रात खुदकुशी कर ली। किसान का शव घर के पास ही लगे पेड़ पर अंगौछे के फंदे से लटका मिला।

पास मिले सुसाइड नोट में किसान ने लिखा है कि एक कर्ज का दर्द दूसरा सांड के हमले के दर्द से परेशान होकर वह जान दे रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

मंगलपुर निवासी चंद्रपाल सिंह (80) के पास सात बीघा खेतिहर जमीन है। उन्होंने दो महीने पहले पूर्वी बड़ौदा ग्रामीण बैंक की मंगलपुर शाखा से किसान क्रेडिट कार्ड पर 3.60 लाख रुपये खेतीबाड़ी के लिए कर्ज लिया था।

सुसाइड नोट में लिखी ये बातें

आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आदरणीय माननीय योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश आप को विदित हो कि मैं किसान चंद्रपाल सिंह मंगलपुर। मेरे पास मात्र सात बीघा जमीन है। मेरे एक लड़का व दो लड़की हैं। दूसरे लड़के की मृत्यु हो गई है। दो नाती हैं। एक की शादी हो गई है। इनका पालन पोषण शादी आदि से मेरे ऊपर बैंक का 3.60 लाख का कर्जा है। एक बीघा खेत 60 हजार में गिरवी रखा है। आप खुद लेखपाल बैंक से पता कर लो। मुझे अब्ना सांड ने इतना पटक कर मारा है कि चल तक नहीं पाता। एक अन्य सांड मुझे मेरे दरवाजे पर ही मार डालता, अगर पड़ोसी सांड को नहीं भगाते। मैं तो बेहोश हो गया था। जिला पंचायत सदस्य संतोष ने बचा लिया। अब एक कर्ज का दर्द दूसरा सांड के मारे के दर्द से रात में मैं पीड़ा से चिल्लाता हूं, तो मैंने यहीं सोचा कि इस जीवन से मौत अच्छी है। इसी को गले लगा लिया। सभी गांव वाले और पड़ोस वाले मुझे मानते रहे। नमस्कार विशेष कर भंनसई वाले बच्चों। इनकी मैंने बहुत रोटी खाई। हमारी गलती जो हुई हमारे को माफ कर देना। चंद्रपाल सिंह मैं ज्यादा दुखी हूं हरी के यहां अब मैं जा रहा।

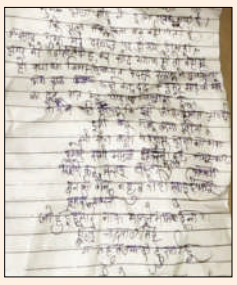

पैसों का जुगाड़ कर करवाया था इलाज

इसके एक महीने बाद ही खेत में काम करते समय चंद्रपाल पर सांड ने हमला कर दिया। इससे वह घायल हो गए। परिजनों के अनुसार इधर-उधर से पैसों का जुगाड़ करके चंद्रपाल ने अपना इलाज कराया। वहीं, इससे पहले पैसे की कमी के चलते चंद्रपाल ने एक बीघा खेत गांव के ही एक व्यक्ति के पास गिरवी रखकर 60 हजार रुपये कर्ज लिया था। इधर, कर्ज नहीं चुका पाने से चंद्रपाल मानसिक तनाव में चल रहे थे। चंद्रपाल ने शनिवार को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र लिखा। इसके बाद घर से निकले और पास ही लगे गुलमोहर के पेड़ पर अंगौछे से फंदा लगाकर जान दे दी। एक बीघा खेत पहले से गिरवी रखा हुआ है। सांड के हमले में घायल होने और कई वर्षों से फसल भी अच्छी न होने से कर्ज नहीं चुका पा रहे थे। इससे परेशान पिता ने जान दे दी। थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कर्ज न चुका पाने से परेशान होकर किसान के खुदकुशी करने की बात सामने आई है। सुसाइड नोट मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

सपा ने मुआवजे की मांग की

मामले में समाजवादी पार्टी ने ट्वीट कर लिखा कि योगी सरकार की बर्बाद नीतियों के कारण आत्महत्या करने को मजबूर किसान। कानपुर देहात के मंगलपुर में 80 वर्षीय किसान चंद्रपाल ने कर्ज में डूबे हो के कारण दे दी अपनी जान, दुखद। भाजपा सरकार ने अन्नदाताओं का सिर्फ शोषण किया है कल्याण नहीं। मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दे सरकार।

हरियाणा के नूंह में 13 दिनों के बाद इंटरनेट सेवा बहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह में हिंसा के बाद से बंद इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गई है। प्रशासन ने 13 दिनों के बाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बंद इंटरनेट सेवा की शुरुआत कर दी। प्रशासन की तरफ से सोशल मीडिया पर निगरानी जारी रखी जाएगी। किसी भी तरह के विवादित पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नूंह में 31 जुलाई को सांप्रदायिक हिंसा भड़कने के बाद स्कूल और कॉलेज भी बंद कर दिए गए थे, जिसे बाद में हालात में सुधार के बाद खोल दिया गया था। नूंह पलवल बॉर्डर पर पलवल जिले के पोंडरी गांव में रविवार को सर्व हिंदू समाज की महापंचायत हुई। पंचायत करने की इजाजत इस शर्त पर दी गई थी कि इसमें कोई नफरत भरे भाषण नहीं दिये जाएंगे, लेकिन ऐसा हो न सका। महापंचायत के दौरान कुछ लोगों ने पुलिस की चेतावनी को नजरंदाज करते हुए धमकियां दीं। बता दें कि महापंचायत में हिंसा में शिकार लोगों को इंसाफ दिलाने और 28 अगस्त को फिर से जलाभिषेक यात्रा शुरू करने पर चर्चा हुई। महापंचायत को देखते हुए बड़ी संख्या में हरियाणा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात किये।

फोटो: सुमित कुमार

खरीदारी राजधानी लखनऊ में तिरंगे की धूम, बड़ी संख्या में लोग कर रहे हैं तिरंगे की ख़रीदारी।

ठाणे के सरकारी अस्पताल में 18 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ठाणे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के होमटाउन ठाणे जिले में मौजूद कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक ही रात में 18 मरीजों की मौत हड़कंप मच गया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद कलवा के इस अस्पताल में राजनीतिक दल के नेताओं की कतार लग गई है। विपक्ष ने सरकार पर हमला तेज कर दिया है।

राजनेता अस्पताल प्रशासन से जवाब मांग रहे हैं। पूर्व मंत्री जितेंद्र आव्हाड, दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे ने भी इस अस्पताल का दौरा किया। दो दिन पहले भी इसी अपस्ताल में पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं 18 लोगों की मौत हो गई इनमें से 13 आईसीयू में थे। जो मरीज अस्पताल पर भरोसा करके आता है। उस मरीज और उसके रिश्तेदार की जिंदगी का क्या यहां होता है?

इन मौतों से अस्पताल प्रशासन की लापरवाही साफ तौर पर झलक रही है। केदार दिघे ने आरोप लगाया कि ठेकेदार यहां साफ-सफाई पर ध्यान नहीं देते है। वहीं मंत्री गिरीश महाजन ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। पिछले चार दिनों में अस्पताल में मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गयी है। बताया जा रहा है कि इन मरीजों की मौत समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण हुई।

» विपक्ष ने सरकार को घेरा, जांच के आदेश

मजहबी मानसिकता ने किया देश का बंटवारा

विभाजन विभीषिका दिवस पर सीएम योगी ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के विभाजन की तारीख 14 अगस्त पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कभी न भूलने वाली तिथि बताया है। उन्होंने इस दिन को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तौर पर बताते हुए कहा कि आज ही के दिन मजहबी और नफरती मानसिकता ने भारत का विभाजन किया था। उन्होंने विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि इस यातना के साक्षी भारतीय नागरिकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

योगी ने ट्वीट करके ये बातें कहीं। उन्होंने भारत के विभाजन की एक तस्वीर शेयर करते हुए ट्वीट किया, देश के इतिहास में 14 अगस्त की तिथि कभी न भूलने वाली तिथि है। आज ही के दिन मजहबी और नफरती मानसिकता ने भारत का दु:खद विभाजन किया, जिसके दुष्परिणामस्वरूप असंख्य देश वासियों ने यातनाएं झेलीं और अपनी जान गंवाई। उन्होंने आगे लिखा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर बलिदान हुए सभी नागरिकों को विनम्र श्रद्धांजलि! इस क्रूर-वीभत्स यातना के साक्षी सभी नागरिकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

बंटवारे का दंश झेलने वालों को नमन: पीएम

इस साल भी पीएम मोदी ने 14 अगस्त को ट्वीट कर कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन भारतवासियों को श्रद्धापूर्वक याद करने का अवसर है, जिनका जीवन देश के बंटवारे की बलि चढ़ गया। यह दिन उन लोगों के कष्ट और संघर्ष की भी याद दिलाता है, जिन्हें विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर होना पड़ा। ऐसे सभी लोगों को मेरा शत-शत नमन।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।